अंतरिक्ष आधारित अवलोकनों का प्रयोग करते हुए कृषि अनुप्रयोग

पर पीआईईएस कार्यक्रम

भू-परिस्थितितततितत काययक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर के 20 संस्थानों/संगठनों के 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उपग्रह आधारित कृषि अनुप्रयोगों का प्रयोग करते हुए संबंधित क्षेत्रों के विविध पहलुओं को सम्मिलित करते हुए लगभग 12 व्याख्यान दिए गए। सुदूर संवेदन के व्याख्यानों में सुदूर संवेदन के मूल सिद्धांत और उनके व्यापक अनुप्रयोग, प्रतिबंध प्रसंस्करण फसल वर्गीकरण का मूल, फसल सांख्यिकीय, कृषि मौसमविज्ञान अनुप्रयोग तथा दुर्घट विकास के लिए चारा फसल आकलन पर व्याख्यान शामिल थे।

कृषि, सूक्ष्म तरंग अनुप्रयोग के लिए सुदूर संवेदन के सार के अवकाश प्रसंस्करण और कृषि सूक्ष्म तरंग अनुप्रयोग पर प्रकाश डाला गया। प्रकाशित तथा सार के अलावा, क्षेत्रों फसल उत्पाद मॉडलिंग भूरूपात्मक अनुप्रयोगों के संबंधक क्षेत्रों तथा बागवानी फसल बीमा अनुप्रयोग, और मोबाइल डेटा संचयन अनुप्रयोग, वेदास पर नाइव प्रदर्शन को भी शामिल किया गया। प्रकाशित सुदूर संवेदन, सार आधारित फसल वर्गीकरण, फसल प्रतिबंध, फसल उत्पाद मॉडलिंग तथा उत्पाद उपयोगिता का प्रयोग प्रतिबंध प्रसंस्करण एवं फसल वर्गीकरण पर बारह घंटों के तीन टियूटोरियल/प्रयोग आयोजित किए गए, जिससे प्रतिभागी सौंपाटात्मक पहलुओं का विशेष प्रयोग कर सकें।

प्रतिभागियों ने पाठ्यसामग्री और उसके प्रस्तुतीकरण की खूब सराहना की। प्राप्त फीडबैक उत्साहजनक रहे; कई प्रतिभागियों ने पीआईईएस अनुसंधान कार्यक्रम का हिस्सा बनने की इच्छा जताई।